A–1225

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL(N)–101

(संस्कृत पद्यकाव्य एवं नीति साहित्य)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित में से किसी **दो** श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

(क) आरम्भगुर्वी क्षयिणीक्रमेण, लध्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्।
दिनस्यपूर्वार्द्ध-परार्द्धभिन्ना, छायेव मैत्री खल-सज्जनानाम्॥

(ख) मौनान्मूकः प्रवचनापटुर्वातुलो जल्पको वा।
धृष्टः पार्श्वे वसति च तदा दूरतश्चाडप्रगल्भः॥
क्षान्त्या भरुर्यदि न सहते प्रयाशो नाऽभिजातः।
सेवाधर्मः परमगहनो योगिना मप्यगम्यः॥

(ग) लोभश्चेदगुणेन किं, पिशुनता यद्यस्ति किं पातकैः।
सत्यं चेत्तपसा च किं, शुचिमनो यद्यस्ति तीर्थेन किम्।
सौजन्यं यदि किं गुवैः सुमहिमा यद्यसित किं मण्डनैः।
सद्विद्या यदि किं धनैरपयशो यद्यस्ति किं मृत्युना॥

2. नीतिशतकम् के आधार पर सज्जनों के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. 'नीतिशतकम्' के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का सार लिखिए।

4. हितोपदेशकार नायराण पण्डित के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'हितोपदेश' में वर्णित कथाओं का सार लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि कालिदास का परिचय देते हुए 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।

2. अधोलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की व्याख्या कीजिए :

   (क) मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः।

   (ख) लिखितमपि ललाटे प्रोञ्झितु कः समर्थः।

3. मुक्तक काव्य का लक्षण बताते हुए किसी **एक** मुक्तक काव्य का उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिए–

   (क) द्विषां विद्याताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूमृतः,

   स सौष्ठवौदार्यविशेषलिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे॥

   (ख) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधियं हितान्न यः संशृणुते

   स किं प्रभुः

   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए–

   (क) अश्वघोष

   (ख) जयदेव

6. 'कुमारसम्भवम्' के आधार पर कालिदास के प्रकृतिवर्णन पर प्रकाश डालिए।

7. अधोलिखित श्लोक का हिन्दी अनुवाद लिखिए–

अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः।

पूर्वापरौ तोयनिधिवागाह्य स्थितिः पृथिव्या इव मानदण्ड॥

यं सर्वशैलाः परिकल्प्य वत्सं मेरौ स्थिते दोग्धरि दोहदक्षे॥

भास्वन्ति रत्नानि महौषधीश्च पृथूपदिष्टां दुदुहुर्धरित्रीम्॥

8. संस्कृत महाकाव्यों की उत्पत्ति एवं विकास पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

****